केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 231 गुरूवार 20 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बोले मंत्री संजय निषादः 7 दारोगाओं का हाथ-पैर तुड़वाकर गड्ढे में फेंकवा चुका हूं

सुल्तानपुर (आभा)। जिले में संवैधानिक अधिकार यात्रा के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए मंत्री संजय निषाद के बिगड़े बोल सामने आए हैं। यहां एक सभा में उन्होंने कहा, 'हम यहां ऐसे ही नहीं पहुंचे हैं। 7 दरोगा का हाथ–पैर तुड़वाकर उसे गड्ढे में फेंकवाकर तब यहां पहुंचा हूं।' बताया जा रहा है कि यात्रा के दौरान किसी महिला ने मंत्री से शिकायत की थी। इसके बाद मंत्री का ये बयान सामने आया।

मंत्री ने कहा कि उन्हें पता है कि कौन फर्जी मामले में फंसा रहा है। वह गरीबों और महिलाओं के लिए काम करते हैं। कार्यक्रम के दौरान एक महिला की शिकायत पर उन्होंने कहा कि सात दरोगाओं का हाथ–पैर तुड़वाकर गड्ढे में डलवा चुका हूं।

सुल्तानपुर में दिए बयान के तूल पकड़ने पर मंत्री संजय निषाद ने एक बार फिर कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं। कहा कि महात्मा गांधी ने सिखाया है। इसका अधिकार संविधान में बाबा साहेब अम्बेडकर ने दिया है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो आत्मरक्षा की इजाजत संविधान देता है। पुलिस यदि आंदोलनकारियों पर नियंत्रण के लिए आंसू गैस न छोड़े, डंडे न चलाए और सीधे गोली ही मारे, हत्या का मुल्मिज बना दे तो आत्मरक्षा तो करनी पड़ेगी न। तो यहां भी (सुल्तानपुर में) पुलिस कुछ ऐसा ही कर रही थी। फर्जी फंसाया जा रहा था। बच्चे जो पढ़ रहे हैं, निषाद हैं, जो गांव में नहीं बाहर हैं उनका भी नाम डाल दिया जा रहा था। जो अपराधी हैं वो विधायक के संरक्षण में हैं। वो एक विशेष वर्ग के लोग हैं और विशेष तौर पर समाज के साथ अत्याचार कर रहे हैं।

पुलिस चौकी विक्रमजोत के सामने दो दुकानों का ताला तोड़कर चोरी

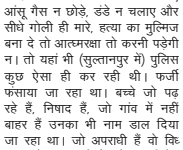

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र के विक्रमजोत पुलिस चौकी के सामने मंगलवार रात चोरों ने दो दुकानों का ताला काटकर उसमें रखा सामान व नगदी चुरा लिया। बुधवार सुबह पहुंचे दुकानदारों ने जब दुकान का ताला टूटा व सामान बिखरा हुआ देखा तो घटना की सूचना छावनी पुलिस को दी। लगभग दो घंटे बाद चौकी इंचार्ज विक्रमजोत रितेश कुमार सिंह अपनी आराम गाह से घटना स्थल पर पहुंचे और दुकानदारों से सामान समेटने को कहा। इसके बाद दुकान में नया ताला लगवाकर घटना की जानकारी किसी को न देने की हिदायत देकर दोबारा आराम करने के लिए अपने आवास के लिए निकल लिए। घटना को लेकर अन्य दुकानदारों में जहां दहशत है वहीं चोरी का शिकार हुए दुकानदार चौकी इंचार्ज के रवैये से काफी निराश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना पुलिस की नाक के नीचे हुई है। यहां पर 24 घंटे पुलिस मौजूद रहती है। हाईवे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस चौकी के सामने चोर ताला काटकर दुकान खंगालते रहे और पुलिस कर्मियों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

चोरी ने पप्पू निवासी मल्हनी, थाना परसरामपुर की पान मसाला की दुकान के ताला व दरवाजे की जंजीर को धारदार औजार से काटकर उसमें रखा 45 सौ रुपये नगद व 25 हजार का सामान चोरी कर लिया। 10 मीटर की दूरी पर राजेश मौर्या निवासी विक्रमजोत के जूस की दुकान का ताला तोड़कर दुकान में रखा 42 सौ रुपये नगद चुराने के साथ काफी मात्रा में दुकान से फल उठा ले गए।

सुनीता विलियम्स की धरती पर सुरक्षित वापसी से खुशी की लहर

मेहसाणा (आभा)। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर सुरक्षित वापसी की खुशी में गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित उनके पैतृक गांव झुलासन में जश्न मनाया गया। इस दौरान गांव के एक सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और जुलूस निकाला। जैसे ही अंतरिक्ष यात्री विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर 'स्पेसएक्स' का यान अमेरिका में फ्लोरिडा तट के पास उतरा, गांव के लोग खुशी से झूम उठे, आतिशबाजी की गई, नाचने लगे और मंदिर परिसर में हर–हर महादेव के जयकारे लगाने लगे। विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए ग्रामीणों ने एक यज्ञ किया था।

इस मौके का जश्न मनाने के लिए सभी विद्यार्थी सुबह करीब साढ़े नौ बजे सरकारी स्कूल में इकट्ठा हुए। उन्होंने पारंपरिक गुजराती लोक नृत्य गरबा किया और देवी डोला माता के मंदिर तक जुलूस निकालने के लिए कतार में खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि देवी ने उनकी प्रार्थना सुन ली और विलियम्स को घर वापस ले आईं।

समाजवादियों ने किया प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं ने बुधवार को सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में टोल प्लाजा के निकट प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। पार्टी नेताओं से बातचीत में श्यामलाल पाल ने कहा कि कार्यकर्ता अभी से 2027 के विधानसभा चुनाव के तैयारियों में जुट जाय और बूथ स्तर के मतदाता सूची की समीक्षा कर ले। वे सड़क मार्ग से कुशीनगर जा रहे थे। श्यामलाल पाल ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के झूठे नारों और नफरत के सियासी कारोबार से ऊब चुकी है। समाज के सभी वर्गों के लोग बदलाव का मन बना चुके हैं। ऐसे में समाजवादियों की जिम्मेदारी है कि हम पार्टी के नीति, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़े।

-2027 की तैयारियों में जुट जाय कार्यकर्ता-श्यामलाल

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का स्वागत करने वालों में मुख्य रुप से विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, मो. सलीम, राम सिंह यादव, चन्द्र प्रकाश चौधरी, हनुमान गौड़, यूनुस आलम्, भोला पाण्डेय, प्रशान्त यादव, अमित गौड़, दिनेश तिवारी, अरविन्द सोनकर, कक्कू शुक्ल, राहुल सोनकर, राजकुमार गोड़, गीता भारती, प्रिया श्रीवास्तव, अखिलेश यादव, सर्वेश यादव, रहमान सिद्दीकी, रघुनन्दन राम साहू, आमिश खान, मंगल निषाद, जमील, मधुवन यादव, रामशब्द यादव, सुशील यादव, गौरीशंकर यादव, रविन्द्र यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

डीएम ने किया कस्तूरबा विद्यालय का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय, कप्तानगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने कस्तूरबा गाँधी आवासी बालिका विद्यालय के कक्षाओं, रसोई एवं शयन स्थल सहित पूरे परिसर को देखा। उन्होने पाया कि विद्यालय में स्मार्ट कक्ष बने है तथा सीसी टीवी कैमरे लगे है।

उन्होने कक्षा–8, 7 व 6 की छात्राओं से गणित व अंग्रेजी का प्रश्न पूछा। छात्राओं द्वारा अंग्रेजी विषय के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया तथा गणित के प्रश्न का उत्तर संतोषजनक नहीं था। उन्होने शिक्षिकाओं से संवाद कर आवश्यक निर्देश दिया। मध्यान्ह भोजन में बने की दाल, चावल, साग, रोटी बनी थी। उन्होने दाल को चख कर देखा और गुणवत्ता ठीक पाया गया। उन्होने शयनकक्ष एवं शौचालय की सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होने प्रधानाध्यापिका को निर्देशित किया कि छात्रों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दिया जाय।

जिला पंचायत सदस्यों ने सौंपा मण्डलायुक्त को ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 15 फरवरी को हुई जिला पंचायत की हंगामेदार बैठक की कार्यवाही को शून्य घोषित किये जाने की मांग पर कोई निर्णय न लिये जाने से आहत जिला पंचायत सदस्य प्रमोद कुमार उर्फ गिल्लम चौधरी के साथ जिला पंचायत सदस्यों ने मण्डलायुक्त को ज्ञापन देकर कार्यवाही शून्य घोषित न किये जाने की स्थिति में बेमियादी धरने की चेतावनी दिया है।

गिल्लम चौधरी ने कहा 15 फरवरी की बैठक में सदस्यों ने प्रस्ताव संख्या 01 का मुखर विरोध किया, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अपर मुख्य अधिकारी बैठक से चले गये, इसके बावजूद कार्यवाही को शून्य नही घोषित किया। प्रमोद कुमार ने ज्ञापन देकर मण्डलायुक्त से एक बार फिर 15 फरवरी की बैठक की कार्यवाही शून्य घोषित किये जाने की मांग किया है। उन्होने कहा अन्यथा की स्थिति में मण्डलायुक्त खुद जिम्मेदार होंगे और सदस्यों के पास लोकतान्त्रित ढंग से रचनात्मक आन्दोलन, धरना प्रदर्शन, आमरण अनशन का ही विकल्प बचेगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से ज्योति सिंह, लवकुश, मीरा सिंह, शुशबू जायसवाल, नौशाद अहमद, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, सुबाष चन्द यादव, असलम खान, मालती, गीता देवी, मो. शुरशीद, अंजुला देवी, अबूबकर, प्रियंका, जवाहर लाल, कंचन, राजबहादुर, कु. यादव सहित अन्य सदस्य व उनके प्रतिनिधि आदि शामिल थे।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी को भातृ शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व विधायक दयाराम चौधरी के 85 वर्षीय बड़े भाई सिद्धनाथ चौधरी का उनके पैतृक गांव बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र के मोहनाखोर गांव में 17 मार्च को निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनका अंतिम संस्कार 18 मार्च को अयोध्या के सरयू तट पर किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र अर्जुन प्रसाद चौधरी ने दिया। सिद्धनाथ चौधरी के निधन पर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, पूर्व विधायक रवि सोनकर, राजेश चौधरी, अरविंद श्रीवास्तव गोला राजेश चित्रगुप्त, प्रेम चन्द्र चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, ज्ञानचन्द्र चौधरी, दुर्गा प्रसाद चौधरी, राम अजोर चौधरी, मनीष, रजनीश वर्मा, शिव सहाय, लारा चौधरी, अजय चौधरी, अनिल पाण्डेय, कामेन्द्र चौहान, अंकुर वर्मा, पप्पू शुक्ला, हरीश सिंह,रामचरण चौधरी, राजू जनवल, राजन पाण्डेय, आशीष चौधरी, हरिनाथ चौधरी, महेन्द्र चौधरी, लालचंद चौधरी, आशीष श्रीवास्तव, उमाशंकर के साथ ही अनेक राजनीतिक दलों के नेताओं, क्षेत्रीय नागरिकों ने शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कार्यशाला में दिया एड्स से बचाव की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ0प्र0 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के सहयोग से जिला एड्स नियंत्रण समिति द्वारा मेनस्ट्रीमिंग के अंतर्गत एच.आई.वी., एड्स अधिनियम 2017 एवं यूनिवर्सल प्रीकाशन हेतु संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला चिकित्सालय के सभागार में किया गया।

कार्यशाला का संचालन कर रहे अम्बुज कुमार यादव ने मुख्य अतिथि अनिल कुमार, एडीजे जिला विधिक प्राधिकरण सहित प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय डा0 वीके सोनकर, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 राजीव निगम, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0के0 चौधरी, एआरटी नोडल डा0 महेश प्रसाद एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियो का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य से अवगत कराया। मुख्य अतिथि अनिल कुमार एडीजे जिला विधिक प्राधिकरण का प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय डा0 वी.के. सोनकर द्वारा बुके देकर स्वागत किया एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का दिशा कलस्टर बस्ती के कलस्टर प्रोग्राम मैनेजर अखिलेश सिंह ने बुके देकर स्वागत हुआ।

कार्यशाला के दौरान दिशा कलस्टर बस्ती के अखिलेश सिंह कलस्टर प्रोग्राम मैनेजर ने बताया कि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण अन्य बीमारियों से ग्रसित होने की सम्भावना बनी रहती है, जिनका उपचार विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रो में कार्यरत मेडिकल एवं पैरामेडिकल के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है, ऐसी स्थिति में यूनिवर्सल प्रीकाशन एवं एच.आई.वी, एड्स अधिनियम 2017 की जानकारी अति आवश्यक है। आयुष चिकित्साधिकारी डा0 वीके वर्मा ने एड्स से बचाव के बारे में जानकारी दी।

मुख्य अतिथि अनिल कुमार एडीजे जिला विधिक प्राधिकरण बस्ती ने एचआईवी, एड्स अधिनियम 2017 के प्रत्येक सेक्शन को विस्तार पूर्वक बताया एवं ही उपस्थित सभी प्रतिभागियों से अपील की कि एचआईवी, एड्स हेल्प लाइन 1097 को भी प्रचारित करें। जिससे लोग जागरूक हो सके और सही तरीके से उपचार हो सके।

डा0 अजय क्वालिटी को–आर्डिनेटर ने यूनिवर्सल प्रीकाशन से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी साझा की। इस दौरान दिशा यूनिट के सीएसओ सुभाष चंद्र यदुवंश एवं डीएमडीओ अनुपम शुक्ला, एआरटी सेंटर के चिकित्सक डा0 फरमान अहमद, एआरटी सेंटर के श्रीनाथ पाण्डेय, श्वेता मणि त्रिपाठी दया शंकर आदि ने प्रतिभाग किया।

डल्लेवाल समेत अनेक किसान नेता हिरासत में:शंभू और खनौरी बॉर्डर खाली करवाने की तैयारी

मोहाली (आभा)। सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल सहित कई किसान नेताओं को बुधवार को पंजाब पुलिस ने मोहाली में हिरासत में लिया। ये सभी किसान नेता एक केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन की ओर जा रहे थे। किसान नेता गुरमनीत सिंह मंगत ने यह भी दावा किया कि पंजाब पुलिस पंजाब–हरियाणा सीमा पर दो आंदोलन वाली जगहों (शंभू और खनौरी) से प्रदर्शनकारियों को हटा सकती है। इससे पहले दिन में, किसानों की विभिन्न मांगों पर चर्चा करने के लिए चंडीगढ़ में किसान नेताओं और केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के बीच एक नए दौर की बैठक से कोई भी नतीजा नहीं निकला।

बातचीत में शामिल होने वाले केंद्रीय मंत्रियों ने किसानों के हितों को सर्वोपरि बताया। तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बातचीत जारी रहेगी और अगली बैठक 4 मई को होगी। बैठक के बाद चौहान ने कहा, 'बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से हुई। वार्ता जारी रहेगी। अगली बैठक 4 मई को होगी।बैठक के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। किसान नेता चंडीगढ़ से मोहाली में दाखिल हुए। किसानों को उनके गंतव्य की ओर जाने से रोकने के लिए मोहाली में भारी बैरिकेडिंग की गई थी।

पति के टुकड़े करने वाली पत्नी, उसके प्रेमी पर फूटा वकीलों का गुस्सा

मेरठ (आभा)। पति की हत्या कर शव के टुकड़े करने वाले पत्नी और उसके प्रेमी पर वकीलों का भी गुस्सा फूट पड़ा है। कोर्ट में पेशी के दौरान दर्जनों पुलिस वालों की मौजूदगी के बाद भी वकीलों ने दोनों की खूब पिटाई कर दी। प्रेमी के तो कपड़े भी फाड़ दिए गए। किसी तरह पुलिस वाले दोनों को वकीलों के आक्रोश से बचते–बचाते लेकर भागे। इससे पहले मीडिया के सामने पेश करते समय भी दोनों को लोगों का आक्रोश झेलना पड़ा। मंगलवार को जघन्य हत्याकांड का खुलासा होने के बाद से ही हर तरफ इसी हत्याकांड के चर्चे हैं। अपने ही पति की इस तरह से हत्या कर शरीर के टुकड़े–टुकड़े करने के बाद प्रेमी के साथ शिमला घूमने चले जाने की बातें लोगों को अचंभित कर रही हैं। यहां तक कि पति की हत्या करने वाली पत्नी के मां–बाप भी अब अपनी ही बेटी के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने भी साफ कहा कि इस लड़की को अब जीने का कोई हक नहीं है।

मेरठ के इंद्रानगर से मंगलवार को दिल दहला देने वाली खबर आई थी। लंदन से लौटे सौरभ की उसी की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। मुस्कान और साहिल ने पहले सौरभ को नशीली दवा देकर बेहोश किया। इसके बाद मांस काटने वाले चाकू से शरीर के कई टुकड़े कर दिए।

अम्बिकेश अध्यक्ष, सूरज वर्मा मंत्री बने :अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के मण्डलीय द्विवार्षिक अधिवेशन में उठे जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ का मण्डलीय द्विवार्षिक अधिवेशन बुधवार को कृषि भवन समागार में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर प्रसन्नता के साथ ही समस्याओं पर विचार किया गया। दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी प्रदेश महामंत्री अम्बा प्रसाद शर्मा की देख रेख में सर्व सम्मत से पदाधिकारी घोषित किये गये। अम्बिकेश प्रताप सिंह मण्डल अध्यक्ष, सूरज वर्मा मंत्री, पवन कुमार मिश्र वरिष्ठ उपाध्यक्ष और दीनानाथ मिश्र संगठन के मण्डलीय मंत्री बनाये गये।

मुख्य अतिथि संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी ने कहा कि सरकारी सेवा में कर्मचारी संगठनों का विशेष योगदान है। अपनी स्थापना के 100 वर्ष तक की यात्रा में अधीनस्थ कृषि सेवा संघ ने संघर्षों से अनेक उपलब्धियां हासिल की है।

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष राधा रमण मिश्र ने कहा कि प्रदेश का कर्मचारी वर्ग अनेक समस्याओं से गुजर रहा है। सरकारें संगठन का सुन नहीं रहीं है और पुरानी पेंशन की मांग अधर में है, ऐसे में हमें अपनी एकजुटता बनाये रखनी होगी।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, मंत्री तौलू प्रसाद ने विस्तार से कर्मचारियों की समस्याओं को रखा और आवाहन किया कि कर्मचारी अपने अधिकारों को लेकर सजग हो वरना एक–एक कर अधिकार छीन लिये जायेंगे। कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये कहा कि पद एक व्यवस्था है, मूल उद्देश्य पुरानी पेंशन के साथ ही अन्य मांगों को लेकर संघर्ष तेज करने का होना चाहिये।

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के मण्डलीय द्विवार्षिक अधिवेशन में अभिषेक, डा. योगेन्द्र यादव, विजय वर्मा, प्रदीप वर्मा, शिव पाल यादव, क्षितिज वर्मा, अरूण मौर्य, अनुपम, धर्मेन्द्र वर्मा, योगेन्द्र, दिलीप, विजय, सुनील, वृजेश, अरूण पटेल, राकेश, रामकृष्ण शुक्ल, कृपाशंकर, विपिन मौर्या, हरिलाल, सूरज मौर्या, सोनू वर्मा के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा जबरिया होलिका जलाने से रोषः एसपी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को वाल्टरगंज थाना क्षेत्र गनेशपुर नगर पंचायत के अम्बेडकर वार्ड दक्षिण द्वारा निवासी सत्या चौधरी ने विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक को पत्र सौंपा। मांग किया कि गनेशपुर कस्बे में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों द्वारा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाडे जाने के मामले में दोषियों और जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाय।

एसपी को दिये पत्र में कहा गया है कि साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाडने की नीयत से कस्बे के मुस्लिम समुदाय के मो. अजीज पुत्र अख्तर अली, मो. कलीम पुत्र मो. मुस्तफा, मो. रिजवान पुत्र सबीहुल अली, मो. अजमत पुत्र मो. अख्तर, अब्दुल पुत्र अब्दुल हसन, मो. रहीम पुत्र मो. कासिम, मो. बंजारा पुत्र शेर मोहम्मद आदि ने गत 13 मार्च को होलिका में मुर्दुत से पहले आग लगा दिया। विरोध करने पर उक्त लोग गालियां और जान से मारने की धमकी देने लगे। इसकी सूचना वाल्टरगंज थाने पर दी गई किन्तु पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। स्थिति बिगडते देख चौकी प्रभारी चन्द्र प्रकाश यादव की तहरीर पर मामले के अल्पीकरण करने की नीयत से मुकदमा दर्ज करने की खानापूर्ति कर दी गई। मोहल्लेवासियों की तहरीर पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। अब हिन्दू समुदाय के लोगों को पुलिस द्वारा धमकियां दी जा रही है कि चुप रहो वरना फर्जी मुकदमें में फंसा दिया जायेगा।

विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक से वार्ता के बाद बताया कि एसपी ने मामले की विवेचना अन्य थाने से कराने और प्रभावी कार्यवाही का आश्वासन दिया है। यदि कड़ी कार्रवाई न हुई तो महासंघ आन्दोलन को बाध्य होगा।

एसपी को पत्र सौंपने के दौरान मुख्य रूप से विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश मंत्री अधिवक्ता प्रकोष्ठ कुलदीप मिश्रा, सौरभ त्रिपाठी, डॉ. परशुराम साहनी, उपेंद्र सिंह, बृजेश चौधरी बंटी, शिव सहाय गुप्ता, बिजेन्दर अग्रहरि, मनीष कुमार, ललित यादव, मनोज प्रजापति, अजय सोनकर, अमरजीत यादव, जमुना प्रसाद के साथ ही स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

-दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई न हुई तो आन्दोलन करेगा विश्व हिन्दू महासंघ -अखिलेश सिंह

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 मार्च 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी

नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने धरती पर सुरक्षित वापस लौट कर नया इतिहास रच दिया है साथ ही उनकी वापसी से पूरी दुनिया में जो खुशी की लहर देखी जा रही है वह यह भी दर्शा रही है कि विज्ञान की कामयाबी का जश्न पूरी दुनिया एकजुट होकर मना रही है। भारत में तो सुनीता की सुरक्षित वापसी के लिए हवन–पूजन चला। बुधवार तड़के जैसे ही सुनीता वापस लौटीं पूरे भारत में जश्न का माहौल और सुनीता के पैतृक गांव गुजरात के मेहसाणा में दीवाली मनाई जाने लगी। नासा ने यह तो बता दिया है कि सुनीता स्वस्थ्य हैं लेकिन अभी उन्हें पूरी तरह से यहां के माहौल में ढलने में कुछ वक्त लगेगा। सुनीता ने जो किया उस पर पूरी दुनिया को खासतौर पर हर भारतीय को बेहद गर्व है।

यूं तो सुनीता विलियम्स पहले भी दो बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जा चुकी हैं लेकिन शायद ही उन्होंने यह कल्पना की होगी कि तीसरी बार अंतरिक्ष में जाने के बाद उन्हें वापसी के लिए लंबा इंतजार करना होगा और यह घटना इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी। नासा के अंतरिक्षयात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स नौ महीने अंतरिक्ष में रहने के बाद भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के पृथ्वी पर लौट आए। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने दो अन्य अंतरिक्षयात्रियों के साथ स्पेसएक्स यान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अलविदा कहा। भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स की यह तीसरी अंतरिक्ष उड़ान थी और उन्होंने अंतरिक्ष में कुल 608 दिन बिताए हैं।

पूर्व अमेरिकी नौसैन्य कप्तान सुनीता विलियम्स (59) का जन्म 19 सितंबर 1965 को यूक्लिड, ओहियो में हुआ था। उनके पिता दीपक पांड्या गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन से ताल्लुक रखते हैं तथा मां उर्सुलाइन बोनी पांड्या स्लोवेनिया से हैं। अपनी बहु–सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करते हुए विलियम्स अपने साथ अंतरिक्ष में अपनी विरासत के प्रतीक ले जा चुकी हैं, जिनमें समोसे, स्लोवेनियाई ध्वज और भगवान गणेश की मूर्ति शामिल हैं। पिछले वर्ष जून में बुच विल्मोर के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने तीसरे मिशन पर रवाना हुई विलियम्स ने एक महिला द्वारा अंतरिक्ष में सर्वाधिक चहलकदमी किए जाने का रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। उनका यह तीसरा मिशन 286 दिन का रहा। सुनीता विलियम्स के नाम संबंधित मिशन क्रम में अब 62 घंटे और नौ मिनट का अतिरिक्त सक्रिय समय दर्ज है, जिससे उन्होंने पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के 60 घंटे और 21 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

सुनीता विलियम्स को बचपन से ही विज्ञान में रुचि थी, लेकिन उनका सपना पशु चिकित्सक बनना था। उनके भाई जय का अमेरिकी नौसेना अकादमी में चयन हुआ था और वहां जाने के बाद सुनीता ने नौसेना अधिकारी बनने का सपना देखा। यह वह समय था जब महशूर अभिनेता टॉम क्रूज अभिनीत 'टॉप गन' धूम मचा रही थी। जब विलियम्स को नौसेना विमानन प्रशिक्षण कमान में शामिल होने का अवसर मिला तो वह लड़ाकू विमान उड़ाना चाहती थीं लेकिन उन्हें हेलीकॉप्टर का विकल्प चुनना पड़ा। वह 1989 में नौसेना एविएटर बनीं और उन्होंने नॉरफॉक, वर्जीनिया में 'हेलिकॉप्टर कॉम्बैट सपोर्ट स्क्वाड्रन 8' में सेवा दी, इसके अलावा उनकी तैनाती 'डेजर्ट शील्ड' और 'ऑपरेशन प्रोवाइड कम्फर्ट' के समर्थन में भूमध्य सागर, लाल सागर और फारस की खाड़ी में भी की गई। विलियम्स ने सैनिकों और मानवीय सहायता के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा उनके नेतृत्व कौशल और विषम परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता ने उन्हें भविष्य के अंतरिक्ष यात्री के रूप में अग्रसर किया।

सुनीता विलियम्स को 1998 में नासा ने अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना और उन्होंने 'जॉनसन स्पेस सेंटर' में प्रशिक्षण लिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ भी काम किया। वह नौ दिसंबर 2006 को 'अंतरिक्ष शटल डिस्कवरी' पर सवार होकर अपने पहले मिशन पर रवाना हुईं और आईएसएस अभियान 14 और 15 में शामिल होकर 195 दिनों के लिए कक्षा में रहीं। सुनीता विलियम्स 17 जुलाई 2012 को रूसी अंतरिक्ष यान सोयूज पर सवार होकर अंतरिक्ष स्टेशन पर चार महीने के प्रवास के बाद वापस आईं और 19 नवंबर को पृथ्वी पर लौट आईं। वह 16 अप्रैल 2007 को अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली पहली व्यक्ति बनीं। उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन पर ट्रेडमिल पर बोस्टन मैराथन चार घंटे और 24 मिनट में पूरी की। वह 2012 में अपनी दूसरी अंतरिक्ष उड़ान के दौरान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का नेतृत्व करने वाली एकमात्र दूसरी महिला बनीं। उन्होंने स्टेशन के संचालन की देखरेख की, कक्षा में एक ट्रायथलॉन पूरा किया, और अंतरिक्ष में चहलकदमी के दौरान सूर्य को आभासी तौर पर "स्पर्श" करती हुई एक तस्वीर भी खींची। सुनीता विलियम्स ने अपने अंतरिक्ष मिशन के तुरंत बाद 2007 और 2013 सहित कम से कम तीन बार भारत का दौरा किया है और उन्हें 2008 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विलियम्स को एक पत्र लिखकर उन्हें भारत की बेटी बताया था और देश आने का निमंत्रण दिया था। सुनीता के पति माइकल जे. विलियम्स संघीय पुलिस अधिकारी हैं।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर अंतरिक्ष यात्रियों को हवा में तैरते देखना भले ही मजेदार लगता हो, लेकिन वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होने का असर धरती पर लौटने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों पर लंबे समय तक रहता है और उन्हें मतली, चक्कर आने, बात करने और चलने में दिक्कत जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता है। विभिन्न अंतरिक्ष मिशन के तहत यात्रा कर चुके कई अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने के बाद चलने में कठिनाई, देखने में दिक्कत, चक्कर आने तथा 'बेबी फीट' नामक स्थिति जैसी चुनौतियों का सामना करने की बात कही है। 'बेबी फीट' का तात्पर्य है कि अंतरिक्ष यात्रियों के तलवों की त्वचा का मोटा हिस्सा निकल जाता है और उनके तलवे बच्चे की तरह मुलायम हो जाते हैं। ह्यूस्टन स्थित 'बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन' ने अंतरिक्ष में शरीर में होने वाले बदलावों के बारे में कहा, "जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर वापस लौटते हैं तो उन्हें पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार तुरंत फिर से ढलना पड़ता है। उन्हें खड़े होने, अपनी दृष्टि को स्थिर करने, चलने और मुड़ने में समस्या हो सकती है। पृथ्वी पर लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को उनकी बेहतरी के लिए पृथ्वी पर लौटने के तुरंत बाद अक्सर एक कुर्सी पर बिठाया जाता है।" अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर जीवन के अनुसार स्वयं को फिर से ढालने में कई सप्ताह लगते हैं। कान के अंदर स्थित 'वेस्टिबुलर' अंग मस्तिष्क को गुरुत्वाकर्षण के बारे में जानकारी भेजकर पृथ्वी पर चलते समय मनुष्यों को अपने शरीर को संतुलित रखने में मदद करता है। निश्चित रूप से सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी बड़ी उपलब्धि है।

इतिहास के स्याह पक्ष से सबक लेने का समय

–विश्वनाथ सचदेव–

किसी क्रूर शासक की मजार का होना न होना कोई मायने नहीं रखता, मायने यह बात रखती है कि हम अपने आने वाले कल को बेहतर बनाने के प्रति कितने जागरूक हैं। इस जागरूकता का तकाजा है कि हम अपने देश को अलगाव की आग से बचाएं। हमें धार्मिक सौहार्द की हवा के ठंडे झोंकों की जरूरत है।

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के युवा किसान कैलाश नागरे को पांच साल पहले युवा किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान कृषि–कार्य में उल्लेखनीय सफलता पाने और किसानों में जागरूकता लाने के लिए किये गये प्रयासों के कारण मिला था। पांच दिन पहले कैलाश नागरे ने आत्महत्या कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्महत्या का कारण यह था कि कैलाश भरसक प्रयास के बावजूद सरकार को उनके इलाके के खेतों में किसानों तक पानी पहुंचाने की मांग नहीं मनवा सके थे। इसलिए हताशा में कैलाश ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। वैसे भी किसानों की आत्महत्याओं का सिलसिला महाराष्ट्र में थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले पांच महीनों में देश के इस उन्नत समझे जाने वाले राज्य में एक हजार से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं।

विकास के दावों के बावजूद महाराष्ट्र सरकार पर ऋण का बोझ लगातार बढ़ रहा है। सन्‌ 2014 में यह राशि 2.94 लाख करोड़ रुपये थीदू 2024 में यह राशि बढ़कर 7.82 लाख करोड़ रुपये है।

यह कुछ आंकड़े हैं जो चौंकाते भी हैं और परेशान भी करते हैं। परेशान इसलिए भी कि इन विषयों पर राज्य में चर्चा भी नहीं हो रही। इस बारे में न सरकार कुछ बोल रही है और न ही विपक्ष कुछ करता दिखाई दे रहा है। यह सब भुलाकर राजनीति के गलियारों में आज चर्चा एक ऐसे बादशाह की कब्र को लेकर हो रही है, जिसे मरे हुए सात सौ साल से अधिक हो चुके हैं। चर्चा ही नहीं हो रही आंदोलन शुरू हो गया है सारे राज्य में। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों ने तो घोषणा कर दी है कि यदि महीने भर के भीतर सरकार इस कब्र को नष्ट नहीं कर देती तो उनके लाखों कार्यकर्ता 'कार सेवा करके' यह काम करेंगे। जहां तक सरकार का सवाल है राज्य के भाजपाई मुख्यमंत्री इसे एक 'दुर्भाग्य' बता रहे हैं कि उन्हें औरंगजेब जैसे बादशाह की कब्र की रक्षा का दायित्व निभाना पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने घोषणा की है कि वे औरंगजेब का महिमामंडन नहीं होने देंगे।

जी हां, विवादों के केंद्र में जो कब्र है वह मुगल बादशाह औरंगजेब की है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 717 साल पहले औरंगजेब की मृत्यु हुई थी, और वहीं उसे दफना दिया गया था। औरंगजेब की इच्छा के अनुसार इस सादी–सी कब्र के ऊपर छत भी नहीं बनायी गयी थी। पहले छत्रपति शिवाजी महाराज और फिर उनके बाद मराठा शासकों को हराने में औरंगजेब को पूरी सफलता कभी नहीं मिल पायी। वह मराठा शासन को समाप्त करना चाहता था, पर उसी मराठा–भूमि में उसे अपने प्राण त्यागने पड़े!

यह सब हमारे इतिहास का हिस्सा है। औरंगजेब की क्रूरता से सब परिचित हैं। यह भी सही है कि उसने जनता पर कई तरह से अत्याचार किये। यह भी जग जाहिर है कि उसने अनेक हिंदू मंदिरों को तोड़ा। यहां अनेक का मतलब सैकड़ों से लेकर हजारों तक बताया जाता है। उसकी क्रूरता का आलम यह था कि गद्दी हथियाने के लिए उसने अपने भाई को मरवा डाला, अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में बंदी बनाकर रखा, उसे पीने के लिए पानी भी नाप के दिया जाता था। औरंगजेब की क्रूरता हमारे इतिहास का हिस्सा है। इसी तरह यह भी एक हकीकत है कि इस क्रूर शासक ने लगभग पचास साल तक राज किया था। इस दौरान उसने मंदिर तुड़वाये भी और मंदिर बनवाये भी। औरंगजेब ने वह सब किया जो कोई क्रूर शासक करता है। शिवाजी महाराज का तो वह कुछ बिगाड़ नहीं सका, पर उनके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के साथ उसने जो क्रूरता बरती वह अपने आप में किसी पराकाष्ठा से कम नहीं थी।

छत्रपति संभाजी महाराज की गाथा इन दिनों सुनी–सुनायी जा रही है। उनके जीवन–चरित्र को लेकर बनी चर्चित फिल्म 'छावा' ने औरंगजेब के अत्याचारों को फिर से चर्चा का विषय बना दिया है। संभाजी नगर में औरंगजेब की कब्र को नष्ट करने की मांग से भी इस फिल्म का रिश्ता है। मांग यह की जा रही है कि यह कब्र एक क्रूर शासक को महिमामंडित करती है, इसलिए इसे तत्काल नष्ट कर दिया जाना चाहिए। दुर्भाग्य की बात यह है कि इस सारे विवाद को सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है। औरंगजेब मुस्लिम शासक था, उसने मंदिर तोड़े थे, उसने जजिया कर लगाया था, वह हद दर्जे का क्रूर था, ये सारी बातें अपनी जगह सही हैं। लेकिन हकीकत यह भी है कि औरंगजेब का होना हमारे इतिहास का एक अध्याय है। इतिहास से सीखने के लिए जरूरी है उसे याद रखा जाये। याद रखने का यह मतलब कतई नहीं है कि यह उसका महिमा–मंडन है। याद रखने का मतलब यह है कि हम इस बात के प्रति जागरूक रहें कि फिर कोई शासक औरंगजेब की तरह हम पर अत्याचार न कर सके।

मैं भी गया था तीस–चालीस साल पहले औरंगजेब की कब्र देखने। जिज्ञासा थी कि स्वयं को आलमगीर कहने वाले उस क्रूर शासक ने अपनी कब्र कैसे बनवायी थी। उसे देखकर मेरे मन में कहीं भी उस शासक के महिमा–मंडन जैसी बात नहीं आयी थी। जो बात मन में आयी थी वह यह थी कि भाइयों को मरवा कर, पिता को कैद करके, प्रजा पर अत्याचार करके उस शासक को अंततरू क्या हासिल हुआ। वह कच्ची कब्र!

हमारे इतिहास से यदि हमें कुछ सीखना है तो वह यह है कि कोई और औरंगजेब क्रूरता और अत्याचार से महान नहीं बन सकता। इतिहास के ऐसे अध्याय को याद रखना जरूरी है, ताकि अब किसी को दुहराने न दिया जाये। जर्मनी में हिटलर के अत्याचार के सारे निशान सुरक्षित रखे गये हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों में अत्याचार के खिलाफ भावना बन सके, बनी रहे। आज जो विवाद इस कब्र के संदर्भ में उठ रहा है, दुर्भाग्य से, इतिहास से कुछ सीखने का उससे कोई रिश्ता नहीं। जो हो रहा है उससे स्पष्ट है कि कुछ मुद्दों को भटकाने के लिए कुछ मुद्दे उठाये जा रहे हैं। कुछ भुलाने के लिए कुछ याद दिलाया जा रहा है। इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ कर देश में हिंदू–मुसलमान के भेद को हवा दी जा रही है। इतिहास का अर्थ है जो हुआ था। जो हुआ था वह सब दुहराने की नहीं, उससे कुछ सीख कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

यह दुर्भाग्य ही है कि आज सांप्रदायिकता की आग को हवा देने की कोशिशें हो रही हैं, इन्हीं कोशिशों का हिस्सा यह तथ्य भी है कि बुलढाणा के युवा किसान की आत्महत्या जैसे मुद्दों को भुला देने वाला इतिहास बनाया जा रहा है और भुला देने जैसी बातों को कुरेद–कुरेद कर सामने लाया जा रहा है। किसी औरंगजेब का अत्याचार बीते हुए कल की बात है। आने वाले कल का तकाजा है कि हम देश की आर्थिक और सामाजिक विषमता, गरीबी, बेरोजगारी जैसे मुद्दों को याद रखें। किसी क्रूर शासक की मजार का होना न होना कोई मायने नहीं रखता, मायने यह बात रखती है कि हम अपने आने वाले कल को बेहतर बनाने के प्रति कितने जागरूक हैं। इस जागरूकता का तकाजा है कि हम अपने देश को विभाजन की आग से बचाएं। विभाजन की आग की गर्म लपटें नहीं, धार्मिक सौहार्द की हवा के ठंडे झोंकों की जरूरत है हमें।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्लेसमेंट, पैकेज की समस्या से जूझते युवा

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है।युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार को लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थानों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी ओर कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फार्मेसी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

बलूचिस्तान की आजादी के लिए तेज होता संघर्ष

–डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव–

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने मिलकर पाकिस्तान और वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलूच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है। मकसद बलूचिस्तान की आजादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी है। इन संगठनों ने निर्णय लिया है कि पाकिस्तान के साथ–साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और अपने अभियानों को और तेज करना होगा। गत 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छी जिले के आब–ए–गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है। यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी, जिसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल मार्ग पर 17 सुरंगे हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए।

पाकिस्तान इस घटना के बाद से दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है। गत 13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत अलगाववादियों की मदद कर रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकवादी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा लगाए गए ये निराधार आरोप हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में असफल दिखी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की। जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना अभी उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार डाला। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक, 90 सैनिकों को मार डाला गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों और दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रक्षक मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार डाला।

दरअसल, बलूच अपनी आजादी के लिए अभियान चला रहे हैं। सन 1947 से पहले ही बलूचिस्तान में भी आजादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त, 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे, जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था। बाद में जिन्ना इससे पलट गए, लेकिन कलात के खान ने 12 सितम्बर, 1947 को बलूचिस्तान को आजाद देश घोषित कर दिया। 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तानी सेना वहां घुस गई और इसे अपने आधिपत्य में ले लिया। इसके बाद सन 2000 तक बलूचियों ने चार बार पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विद्रोह किया, लेकिन हर बार इसे दबा दिया गया। सन 2005 में अकबर बुगती के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया। 26 अगस्त, 2006 को बुगती और उनके साथियों की हत्या कर दी गई। बुगती के बाद बलूच नेता गिरी को भी मार दिया गया। इसके बाद 2009 से वहां के लोगों को गुप्त रूप से निशाना बनाना शुरू किया गया। तब से अब तक बड़ी संख्या में बलूचों को या तो मार दिया गया या फिर उन्हें गायब कर दिया गया।

बलूच विद्रोहियों की शुरुआत से यही मांग रही है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान को खाली कर उनके सभी नेताओं को बिना शर्त रिहा कर दिया जाए। इसके अलावा, बलूचिस्तान में चल रहे चीन के सभी प्रोजेक्ट बंद कर दिए जाएं। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। यह पाकिस्तान के राजस्व का प्रमुख स्रोत है। इस इलाके में धातुओं के विशाल भंडार हैं। आधे पाकिस्तान की गैस आपूर्ति यहीं से होती है। बलूचिस्तान के लोग इसे अपने संसाधनों की लूट बताते हैं।

थाने की नई बनी बिल्डिंग के सामने युवक ने खुद को लगा ली फांसी

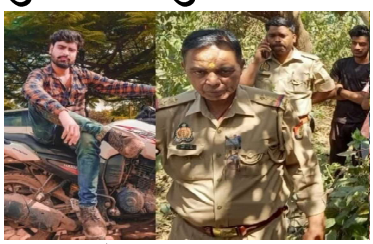

संवाददाता—देवरिया। एक युवक ने नव निर्मित थाना भवन के सामने झाड़ियों की आड़ में एक पेड़ से फंदा बांधकर खुद को फांसी लगा ली। बुधवार की सुबह 8:30 बजे के करीब दिन के उजाले में हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि युवक को उस तरफ से गुजर रही एक महिला ने फंदे से लटकते देखा तो शोर मचाने लगी। आवाज सुनकर आसपास से लोग दौड़ते हुए वहां पहुंचे। लोगों ने युवक को फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खुदकुशी की वजह अभी तक साफ नहीं हो पाई है। पुलिस जांच—पड़ताल में जुटी है।

देवरिया के सुरौली थाना क्षेत्र के दीनानाथ यादव के पांच बेटे हैं। सभी लड़के बाहर रह कर कमाते—खाते हैं। छोटा बेटा उपेंद्र यादव (उम्र 25 साल) होली से कुछ दिन पहले ही गांव आया था। वह अब दुबई जाने की तैयारी में था। बुधवार की सुबह घर से वह खाना खाकर सुरौली गांव में बन रहे नवनिर्मित थाना भवन की तरफ घूमने जाने की बात कह कर घर से निकला। उसके कुछ देर बाद वहां से गुजर रही एक महिला ने फंदे से लटके हुए उसको देखा और शोर मचाया।

गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो देखा उपेंद्र यादव फंदे से लटका है। गांव के लोग उसे जल्दी से नीचे उतारे तब तक उसकी मौत हो गई थी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व उसके परिजनों के दी। उपेंद्र की मां चंपा देवी उपेंद्र की मौत की सूचना मिलते ही बेहोश हो गई। परिजन दहाड़े मार कर रोने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उपेंद्र यादव ने जान क्यों दी? यह किसी की समझ में नहीं आ रहा है। उसके इस कदम से हर कोई हैरान है। पुलिस ने परिवारीजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की है। लोगों का कहना है कि होली के कुछ दिन पहले ही वह घर आया था। कमाने के लिए दुबई जाने की तैयारी कर रहा था। उसे देखकर कोई नहीं कह सकता था कि उसके दिमाग में आत्महत्या जैसा कोई विचार चल रहा है। उसने खुद की जान क्यों ली? यह किसी की समझ में नहीं आ रहा है। पुलिस मामले की जांच—पड़ताल में जुटी रही।

महिला आयोग की सदस्य ने जनसुनवाई की, जाना हाल

संवाददाता—गोण्डा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही ने गोंडा के लोक निर्माण विभाग डाक बंगले में जनसुनवाई की। उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। जनसुनवाई में कई महिलाओं ने बताया कि थानों में उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाता। कई बार थाने के चक्कर लगाने के बाद भी सुनवाई नहीं होती। इस पर ऋतु शाही ने पुलिस अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। महिला आयोग की सदस्य ने अधिकारियों को महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देने के लिए कैंप लगाए जाएं। जनसुनवाई में सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा की शिकायतें आईं। कुल 15 मामलों में से 6 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।

शिकायत करने वाली महिलाएं संतुष्ट होकर लौटीं। ऋतु शाही ने निर्देश दिया कि महिलाओं को बार—बार थाने नहीं आना पड़े। उनकी शिकायतों का एक ही बार में समाधान किया जाए। महिलाओं को जानकारी ही नहीं है कि कोई विवाद होने पर डायल 112 मिलेंगे तो पुलिस आएगी।

महिलाएं डायल 112 को फोन ना करके वह सीधे थाने पर चली जाती हैं अगर उनको घर पर ही पुलिस की सुविधा मिल रही है तो इसमें क्या दिक्कत है। अगर पुलिस घर में पहुंच जाए और घरेलू विवाद को लेकर मामला है तो हो सकता है कि घर पर ही मामला खत्म हो जाए। हम लोग चाहते हैं किसी का घर न टूटे सभी का घर बसे इसीलिए डायरेक्ट एफआईआर लिखना हम लोग उचित नहीं समझते हैं।

यूपी बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू, एक दिन में 10वीं की 50 और 12वीं की 45 कॉपियों का होगा मूल्यांकन

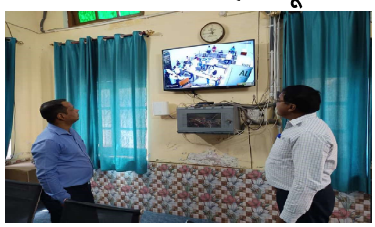

संवाददाता—गोण्डा। पीएमश्री फखरुद्दीन अली अहमद राजकीय इंटर कॉलेज समेत चार केंद्रों पर बुधवार से बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट कॉपियों का मूल्यांकन शुरू हो गया है। परीक्षकों के मूल्यांकन कक्ष में मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगाई गई है।

जीआईसी और टॉमसन इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन हो रहा है। वहीं, जीजीआईसी व स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की कॉपियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को हाईस्कूल की एक दिन में 50 और इंटरमीडिएट की 45 कॉपी का मूल्यांकन करना है। वहीं, कला विषय में परीक्षक 80 कॉपियों का मूल्यांकन करने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले के चारों केंद्रों पर 19 मार्च से दो अप्रैल तक कॉपियों का मूल्यांकन किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा प्रभारी दिवाकर मिश्र ने बताया कि डीआईओएस कार्यालय में प्रत्येक दिन मूल्यांकन की रिपोर्टिंग की जाएगी। इसके साथ ही बोर्ड परीक्षा की तरह ही डीआईओएस के कंट्रोल रूम को मूल्यांकन केंद्रों से जोड़ा गया है। डीआईओएस डॉ. रामचंद्र के निर्देश पर मूल्यांकन केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

यूपी बोर्ड के हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बुधवार को शुरू हो गया है। जिले के चार केंदों पर मूल्यांकन हो रहा है। मूल्यांकन के लिए नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज, एसएमबी इंटर कॉलेज, श्री महेश्वर इंटर कॉलेज और एसएमबी इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। शिक्षक संघ के आवाहन पर शिक्षक वहां पर काली पट्टी बांधकर मूल्यांकन कार्य कर रहे हैं। डीआईओएस सर्वदानंद ने बताया कि मूल्यांकन के लिए दूसरे जिले से और कॉपियां आ रही हैं।

भारत नेपाल सीमा पर हो रही सघन जांच

संवाददाता—श्रावस्ती। भारत नेपाल सीमा पर सुरक्षा जवान अलर्ट है। देश विरोधी गतिविधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस व एसएसबी की टीम नियमित पेट्रोलिंग कर रही है। वहीं सीमा पार आते जाते लोगों की चेक पोस्टों पर सघन जांच के बाद ही जाने दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में बुधवार को थाना सिरसिया की पुलिस टीम व एसएसबी टीम की ओर से इंडो नेपाल सुहृद्या बॉर्डर के नो मेंस लैंड का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही संयुक्तरूप से गश्त कर सीमा की सुरक्षा को देखा गया। इसके साथ ही चेकपोस्ट पर आते जाते मिले लोगों की संघन जांच की गई और तलाशी ली गई। इस दौरान स्वान दस्ता टीम भी अलर्ट रहा। चेकपोस्ट पर सीमा से इस और उस पार आने जाने वाले लोगों से गहनता के साथ पूछताछ की गई है। टीम ने आने जाने वाले लोगों से क्यों, किस काम से व कहां जा रहे है आदि पूछताछ की। गश्त के दौरान टीम ने सार्वजनिक मार्गों पगडंडी रास्तों का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया। आते जाते मिले लोगों से पूछताछ की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आएंगे गोंडा, सारी तैयारियां पूरी

संवाददाता—गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गोंडा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री दोपहर 12:10 बजे बहराइच के मिहीपुरवा से गोंडा रिजर्व पुलिस लाइन पहुंचेंगे। इसके बाद सीधे गोंडा मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री युवा योजना एवं युवा उद्यमियों के लिए स्टार्टअप की प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत देवीपाटन मंडल के गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर के कुल 1,282 लाभार्थियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये का ऋण दिया जाएगा।

इस योजना के तहत लाभार्थियों को पांच लाख रुपये का चार साल के लिए ब्याज मुक्त लोन व एकमुश्त 10 प्रतिशत अनुदान के साथ ही नए उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके बाद सर्किट हाउस में 25 मिनट रुकने के बाद दो बजे जिला पंचायत सभागार में करीब एक घंटे देवीपाटन मंडल के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे।

इस दौरान बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर के जनप्रतिनिधि वर्जुअल माध्यम से सीएम की समीक्षा बैठक में प्रतिभाग करेंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट परिसर से लेकर हेलीपैड व जिला पंचायत सभागार और मेडिकल कॉलेज में भव्य तैयारी की गई है।

क्विज प्रतियोगिता में वीरेन्द्र व राधिका रहीं अव्वल

संवाददाता—बलरामपुर। विकास खंड उतरौला के कम्पोजिट विद्यालय पिपरा राम में बुधवार को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र—छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में वीरेंद्र भारती को प्रथम, राधिका को द्वितीय एवं कविता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शिक्षक मुस्ताक अहमद ने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बारीकियों और सफल होने के गुर बताए। प्रथम तीन बच्चों को मोमेंटो और प्रमाण पत्र दिया गया। मोमेंटो व प्रमाण पत्र पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। प्रतियोगिता के साथ—साथ बच्चों को उनके पसंद के अनुसार स्वादिष्ट केले की पकौड़ी, पुलाव आदि व्यंजन की व्यवस्था शिक्षिका सरिता विश्वकर्मा ने कराया। बच्चों ने इन स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। अंत में कक्षा आठ के बच्चों की विदाई पार्टी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान राधेश्याम ने कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है, जो किसी भी राष्ट्र, समाज व देश को उन्नति प्रदान करने में सहायक होता है। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। वर्तमान युग मशीनों का युग है, इसलिए सभी के लिए शिक्षा जरूरी है। प्रधानाध्यापक तजम्मुल हसन ने बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षिका सरिता विश्वकर्मा एवं शाकेश तिवारी ने भी अपने—अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर नन्द लाल, कमलेश यादव, रिंकी देवी, इरम जहरा आदि ने बच्चों का हौसला अफ़जाई किया।

चोरी गया लाखों का सामान बरामद, दो गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। बीते एक महीने में मल्हीपुर व गिरंट थाना क्षेत्रों में आधा दर्जन सरकारी स्कूलों में चोरी हुई है। बुधवार को पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उनके कब्जे से चोरी का लाखों रुपये का सामान बरामद किया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परसोहना व ओदाही में बीते दिनों हुई चोरी का बुधवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार किया। जिनके विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। दो दिन पहले 17 मार्च की रात चोरों ने विद्यालय में चोरी की थी और हजारों का सामान पार कर ले गए थे। तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था और चोरी की तलाश की जा रही थी। बुधवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम शिकारी चौड़ा से रमवापुर जाने वाली लिंक मार्ग से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान प्रमोद यादव उर्फ विश्राम यादव निवासी भग्गड़वा नदईडीह थाना मल्हीपुर व करिया उर्फ अनिल कुमार यादव निवासी सनमन गांव थाना नवाबगंज जनपद बहराइच के रूप में हुई। दोनों के कब्जे से विद्यालय के रसोई के बर्तन जैसे भगोना, स्टील प्लेटें, गिलास, बाल्टी, जग, चम्मच, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सुपरटोन स्पीकर, तीन बैट्रा, दो इनवर्टर, दो गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, टुल्लू पंप, तीन पंपिंग सेट के साथ ही छह हजार रुपये नकद बरामद किया। वहीं चोरी में प्रयोग उपकरण हथौड़ा, पेचकस, प्लास के साथ ही दो बाइक व तीन मोबाइल जब्त किया। जिसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। चोरों ने पंपिंग सेट की चोरी अन्य स्थानों से की थी। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष के साथ उपिनरीक्षक साहबराव, सतीश चन्द मिश्रा, आरक्षी प्रदीप यादव, विजय यादव, सर्वेश चौरसिया, देवेश शुक्ला व आरक्षी अमरेन्द्र चौधरी शामिल रहे।

शैक्षिक सत्र के मुख्य चुनौतियों एवं लक्ष्य पर हुई चर्चा

संवाददाता—बलरामपुर। न्याय पंचायत उतरौला ग्रामीण के कम्पोजिट विद्यालय बभनी बुजुर्ग में माह मार्च का संकुल शिक्षक मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बीईओ सुनीता वर्मा ने किया। बैठक में न्याय पंचायत के प्रधानाध्यापक, इंचार्ज प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक उपस्थित हुए। बैठक से पूर्व श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर एआरपी अनवार अहमद के आकस्मिक निधन पर दुरुख व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कक्षा शिक्षण के बारे में शिक्षकों के अनुभवों, शैक्षिक सत्र 2024—25 की मुख्य चुनौतियों एवं लक्ष्य, पिछले माह के बेहतर प्रदर्शन व उससे होने वाले लाभ, वार्षिक परीक्षा के आयोजन, संकुल मंच को और अधिक प्रभावी बनाए जाने, आगामी शैक्षिक सत्र के लिए नामांकन वृद्धि के साथ—साथ सर्वांगिक उपस्थिति वाले विद्यालयों के शिक्षकों से उनके अनुभवों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसी प्रकार न्याय पंचायत बिरदा बनियामारी के प्राथमिक विद्यालय ऐलनपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय देवरिया मैनहा, कंपोजिट विद्यालय रमवापुर कला, कंपोजिट विद्यालय गनवरिया बुजुर्ग, प्राथमिक विद्यालय सुरैहिया देवर, कंपोजिट विद्यालय बासूपुर व कम्पोजिट विद्यालय पेहर में भी शिक्षक संकुल बैठक संपन्न हुआ। संकुल शिक्षक बैठक में देश रत्न, कुलदीप कुमार, संजय कुमार, अमीर अलतमस बेग, कुमकुम देवी, दीपमाला सैनी, आरती पांडेय, बालक राम, नेहा गर्ग, राशिदा, शहनाज बेगम, प्रिया पालीवाल, मिथलेश मिश्रा, सरिता वर्मा, चांदनी, रत्ना गुप्ता, आरती, मीना यादव समेत तमाम शिक्षकगण मौजूद रहे।

इलेक्ट्रिक स्कूटी व बाइक में टक्कर, दो घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। देर रात इलेक्ट्रिक स्कूटी व बाइक के बीच टक्कर हो गई। जिसमें दो लोग गंभीररूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से एक को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के लालबाझा गांव निवासी पुजारी लाल वर्मा (52) पुत्र जगपती इसी थाना क्षेत्र के बनगई चौराहे पर टेंट हाउस की दुकान चलाता है।

देर शाम को वह दुकान बंद कर अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी लेकर घर निकले थे। इस दौरान ग्राम पंचायत फतेहपुर बनगई के मजरा मनोतरी गांव निवासी सादिक अली (18) पुत्र सईद अली व अरशद खान (22) पुत्र निसार अहमद एक ही बाइक से कहीं जा रहे थे। बनगई चौराहे पर पहुंचते ही पुजारी की स्कूटी से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में पुजारी लाल वर्मा व सादिक अली दोनों गंभीररूप से घायल हो गए जबकि अरशद बाल बाल बच गया। लोगों की ओर से दोनों घायलों को पास के ही निजी चिकित्सक के यहां ले जाया गया जहां से उन्हें सीएचसी मल्हीपुर भेज दिया गया। सीएचसी में हजारीलाल की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया।

धर्मपरिवर्तन व अपहरण मामले में हिंदू संगठन का अनिश्चितकालीन अनशन, मुस्लिम युवक पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता—बहराइच। नवाबगंज थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सिंह ने पुलिस की कार्यशैली के विरोध में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया है। मामला अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता पप्पू कुमार वर्मा की पत्नी सुनीता वर्मा से जुड़ा है। आरोप है कि किशुन गांव का रहने वाला अंसार पुत्र जब्बार ने 27 फरवरी को सुनीता वर्मा का अपहरण लिया।

अंसार ने सुनीता से उनके गहने और नकदी भी ले ली। इनमें 20 ग्राम सोने की जंजीर, 6 जोड़ी चांदी की पायल, 3 जोड़ी मंगलसूत्र, सोने का बाला, सोने की नथनी और 70,000 रुपए शामिल हैं। आरोप है कि उसने सुनीता का धर्म परिवर्तन भी करा दिया है।

पीड़ित पक्ष ने नवाबगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन पुलिस ने न तो महिला की बरामदगी की और न ही आरोपी अंसार को गिरफ्तार किया। इस निष्क्रियता के विरोध में संतोष सिंह ने अनशन शुरू किया है। संतोष सिंह का कहना है कि जब तक महिला को सुरक्षित नहीं लाया जाता और अपहरणकर्ता के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। उन्होंने सभी हिंदू संगठनों से इस अनशन में शामिल होने का आह्वान किया है। क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बनी हुई है।

लापता युवक का नाले में मिला शव

संवाददाता—बहराइच। आठ दिनों से लापता युवक की हत्या कर दी गई। युवक का शव नाले में बरामद हुआ है। शव जलकुम्भी में फंसा और सड़ चुका था। उसकी शिनाख्त कपड़ों और जूतों से की गई है।

दरअसल घटना मोतीपुर थाना इलाके में हुई है। यहां इस तरह की ताबड़तोड़ वारदातें हो रही है। नौसर गुमटिहा निवासी 32 वर्षीय शुत्रोहन पुत्र घसीटे 11 मार्च को कहीं से घर आया और वह बाइक खड़ी कर बाजार चला गया। फिर वह लौटकर घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने सभी संभावित जगहों पर तलाश की। कोई सुराग न लगने पर 15 मार्च को उसकी बहन कुंती ने लापता भाई के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए तहरीर दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी। परिजनों को किसी ने मंगलवार को दी। पुलिस को जानकारी दी गई तो पुलिस ने शव नाला से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार दोपहर में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा।

मृतक के चचेरे भाई राम गोपाल ने बताया कि पुलिस की ओर इस मामले मे कोई रूचि नहीं ली गई। मंगलवार शाम लोगों ने बबई नाले कुसुम घाट में जलकुम्भी में फंसा शव फूल कर सड़ चुका था। मृतक की पहचान परिजनों ने उसके कपड़ों व जूतों से की। परिजनों ने बताया कि युवक की कुछ लोगों से रंजिश हो गई थी। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

महिला उत्पीड़न के मामले में तुरंत करें कार्रवाई –अंजु प्रजापति

संवाददाता—बहराइच। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजु प्रजापति ने महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित मामलों की सुनवाई की। लोनिवि के निरीक्षण भवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस के साथ विभिन्न विभागों के अधिारी मौजूद थे।

महिला जनसुनवाई दिवस पर आयोग की सदस्य अंजु प्रजापति द्वारा थाना विशेश्वरगंज अन्तर्गत श्रीमती निशा देवी पुत्री अजय कुमार, सुमन देवी पत्नी रामनाथ, थाना फखरपुर अन्तर्गत अन्जुम बानो पत्नी सफीजुद्दीन, सायमा बेगम पत्नी अल्ताफ, मोहल्ला नाजिरपुरा रुखसाना पत्नी स्व. मोहम्मद अली, तमन्ना पत्नी मोहम्मद कलाम, थाना कैसरगंज अन्तर्गत सरोज कुमार पत्नी भोलानाथ, थाना हुजूरपुर अन्तर्गत द्रोपदी देवी पत्नी स्व. दौलत राम, विमला देवी पत्नी सुनील कुमार, रजनी पत्नी बालकराम तथा थाना सुजौली अन्तर्गत कान्ती पत्नी सनीदेवल से सम्बन्धित आवेदन पत्रों पर सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजु प्रजापति ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी थानों पर महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई प्राथमिकता पर की जाय ताकि उन्हें त्वरित गति से न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर महिलाओं के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित कोई भी प्रकरण संज्ञान में आने पर तत्काल कार्यवाही की जाय। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, महिला थानाध्यक्ष मंजू यादव, प्रभारी एन्टी रोमियो उनि आरती वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

न्यायालय ने पाक्सो एक्ट के वांछित को भेजा जेल

संवाददाता—बलरामपुर। पचपेड़वा पुलिस टीम ने पाक्सो एक्ट सहित अन्य मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय भेजा है। उपनिरीक्षक वीरेन्द्र तिवारी ने बताया कि ग्राम शंकरपुर कला थाना पचपेड़वा निवासी अनीश पुत्र बाबूलाल उपरोक्त मामले में न्यायालय से वांछित चल रहे थे जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा तुलसीपुर पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी न्यायालय से वांछित चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने बताया कि बकरीदी पुत्र रोजन निवासी मोहनपुर दयालीडीह थाना तुलसीपुर पाक्सो सहित अन्य मामले में न्यायालय से वांछित चल रहा था। वहीं तुलसीपुर पुलिस ने वन अधिनियम के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। निरीक्षक कन्हई प्रसाद ने बताया कि विमल कुमार पाण्डेय उर्फ बोश वन अधिनियम के आरोप में वांछित चल रहा था।

विश्व हिन्दू महासंघ ने पुलिस के खिलाफ मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

संवाददाता—श्रावस्ती। होली पर निकले जुलूस में लोगों के साथ अभद्रता का आरोप लगाते हुए विश्व हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा है। जिसमें आरोपी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए शिकायती पत्र में विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष आशीष आर्य ने कहा है कि 13 मार्च की रात होली महासमिति ने नगर के विकास भवन से नरसिंह भगवान की शोभायात्रा निकाली थी। जुलूस जब पुरानी बाजार के मोहल्ला राजा नगर स्थित सोनार वाली गली में पहुंचा तो पुलिस वालों ने दूसरी गली से निकाल दिया। इस दौरान भिनगा कोतवाली प्रभारी तथा कस्बा प्रभारी की ओर से लोगों पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस पर लोगों ने विरोध किया। इसी तरह से सुबह 14 मार्च को जब रंग उत्सव पर जुलूस ठाकुर द्वारा से ईदगाह तिराहा नई बाजार होते हुए अपने परंपरागत मार्गो से काली मंदिर की ओर जा रहा था। तभी भारत मिलाप चौराहे के पास प्रभारी निरीक्षक और कस्बा प्रभारी तथा उनके साथ अन्य पुलिस कर्मियों ने जुलूस में चल रहे ट्रैक्टर ट्रालियों को बलपूर्वक वापस कर दिया। इसके साथ ही रंग खेले लोगों को गंदे गंदे शब्दों का इस्तेमाल कर जुलूस से हटा दिया। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष आशीष आर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा अन्य उच्च अधिकारियों को पत्र भेज कर दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध निलंबन के कार्रवाई की मांग की है।

सजायाफ्ता चौखड़िया प्रधान को डीएम ने किया बर्खास्त

संवाददाता—गोण्डा। जिला अधिकारी नेहा शर्मा ने चौखड़िया के ग्राम प्रधान मनीष कुमार पाठक को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। मनीष पाठक पिछले 9 महीने से जेल में बंद हैं। उन्हें जानलेवा हमले के मामले में 7 वर्ष की सजा सुनाई गई है। नवाबगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत चौखड़िया में वर्ष 2021 में मनीष कुमार पाठक प्रधान चुने गए थे।

अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम गोंडा ने 28 जून 2024 को उन्हें दोषी पाते हुए सजा सुनाई। न्यायालय ने 16,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न भरने पर उन्हें ढाई महीने की अतिरिक्त सजा होगी। जिलाधिकारी ने पंचायती राज अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की है। आठ महीने पहले ही ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए गए थे। अब कार्यवाहक ग्राम प्रधान की नियुक्ति की गई है। वह ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।जिला पंचायत राज अधिकारी लाल जी दुबे ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिव को आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। नए ग्राम प्रधान के चुनाव को लेकर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जिला प्रशासन जल्द ही इस पर फैसला लेगा।

ग्रामीणों को स्वास्थ्य और शिक्षा प्रति किया जागरूक

संवाददाता—गोण्डा। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बुधवार को गांव—गांव जाकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरुक किया। सरयू डिग्री कॉलेज के तत्वावधान में कंपोजिट विद्यालय सकरौरा ग्रामीण में आयोजित राष्ट्रीय सेवायोजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बुधवार को प्रथम सत्र में एनएसएस के छात्र—छात्राओं ने अपनी टोलियों के साथ भयापुरवा, बेलवा सम्मय, टेपरा आदि गाँवों में घर घर जाकर लोगों को जन शिक्षा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान कर गांव की महिलाओं एवं पुरुषों तथा बच्चों को जनस्वास्थ्य के विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि हम स्वास्थ्य संबंधी नियमों को अपनाकर रोगों से मुक्ति पा सकते है। द्वितीय सत्र में बौध्दिक कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा एवं आपदा प्रबन्धन युवा शक्ति एवं चरित्र निर्माण शीर्षक के अंतर्गत छात्र छात्राओं ने युवाओं की भूमिका और युवाओं के अनुकरणीय भूमिका पर चर्चा करते हुए छात्रा खुशी, शालिनी, शना, स्वेता, लकी सिंह, रुचि गोस्वामी, अन्न शिवम जायसवाल, हरिशंकर, कोमल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

बेटे ने बीमार मां को पीट-पीटकर मार डाला, लाश को चद्दर से ढंका और दरवाजे पर ताला लगा हो गया फरार

संवाददाता-गोरखपुर। शाहपुर इलाके में एक कलयुगी बेटे ने बीमार मां को पीट-पीटकर मार डाला। आवास विकास कॉलोनी में हुई घटना ने लोगों को अंदर तक हिला दिया है। जिस बेटे को मां ने पाल-पोस कर बड़ा किया उसी ने उसे पीट-पीटकर मौत के घात उतार दिया। जो भी यह सुन रहा है गम और गुस्से से भर जा रहा है। हत्यारोपी बेटे ने हत्या के बाद बिस्तर पर शव रखकर ऊपर से चादर से ढंक दिया और फिर दरवाजे पर ताला बंद कर घर से फरार हो गया। पूरे दिन घर का दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। रात में दो बजे के करीब मौके पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर महिला का शव बरामद किया। आरोपित बेटा अब भी फरार चल रहा है। उसकी तलाश में पुलिस टीम लगी है। उधर, घटना की सूचना पर कुछ रिश्तेदार भी घर पहुंच गए हैं।

घटना की वजह गांव की जमीन को मां द्वारा बेचे जाने से मना करना बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि बेटा गांव की जमीन बिकवाना चाहता था लेकिन मां ने इससे इनकार कर दिया। इसी से नाराज होकर बेटे ने उन्हें पीट-पीटकर मार डाला। जानकारी के मुताबिक, झंगहा इलाके के ब्रह्मपुर मीठाबेल के मूल निवासी रामाधर दुबे शुगर मिल में काम करते थे। रिटायर होने के बाद शाहपुर इलाके के आवास विकास कॉलोनी में घर बनवा कर रहते थे। रामाधर की मौत के बाद बड़े बेटे ने तीन वर्ष पहले खुदकुशी कर ली। इसके बाद मंजू अपने छोटे बेटे दुर्गेश के साथ अकेले ही रहती थी। दुर्गेश नशे का आदी है और आए दिन मारपीट करता था। उसकी शादी खलीलाबाद में हुई थी, लेकिन पिटाई से परेशान होकर पत्नी मायके चली गई।

13 फरवरी को अचानक मंजू को पैरालाइसिस अटैक आ गया। वह चलने में असमर्थ हो गई। इसके बाद बेटा दुर्गेश उन्हें प्रताड़ित करने लगा और गांव की जमीन बेचने का दबाव बनाने लगा। जीते जी वह जमीन बेचने से इनकार कर दी, इसी बात पर विवाद होने लगा। बताया जा रहा है कि सोमवार की रात में ही इसी विवाद में दुर्गेश ने मां मंजू की हत्या कर दी और फिर घर में ताला बंद कर फरार हो गया। इंस्पेक्टर नीरज राय ने बताया कि आरोपित बेटे की तलाश की जा रही है।

दीवाल से बाइक टकराने से युवक की मौत

संवाददाता-गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के शिवपुर बाबू टोला में बुधवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वह इस वर्ष दसवीं की परीक्षा दी थी। जानकारी के मुताबिक, खोराबार थानाक्षेत्र के रामपुर शिव मंदिर टोला निवासी अश्वनी कुमार(19) पुत्र स्व अनिल पल्सर से मोतीराम अड्डा चौराहे पर जाते समय अचानक उसका पल्सर दीवाल से टकरा गया। इससे युवक को गम्भीर चोटें आईं। परिवारीजन आनन-फानन में इलाज के लिए उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक दो भाइयों में छोटा भाई था। मृतक इस वर्ष दसवीं की परीक्षा दिया था।

मऊ से चोरी बाइक लावारिस हाल में मिली

संवाददाता-गोरखपुर। मऊ जनपद के मुहम्मदपुर से मंगलवार की रात चोरी हुई बाइक बुधवार की सुबह गगहा क्षेत्र के सेनुआपार गांव के सामने हाइवे पर लावारिस हाल में मिली। जानकारी के मुताबिक, गगहा क्षेत्र के हाटा बाजार निवासी भूपेंद्र मणि साहनी अपनी बहन की शादी में मऊ जिले के जयसिंहपुर मुहम्मदपुर निवासी अपने बहनोई तारकेश्वर को विदाई में बाइक दी थी। मंगलवार की रात तारकेश्वर अपनी बाइक घर की बाउंड्री के अंदर खड़ी कर सोने चले गए। सुबह उठे तो बाइक चोरी हो गई थी। बुधवार सुबह बाइक गगहा क्षेत्र में लावारिस हाल में मिली।

लाखों के जेवरात सहित नौ कारतूस चोरी

संवाददाता-गोरखपुर। संसारपार गांव में चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर 15 हजार नगदी व लाखों के जेवरात के साथ लाइसेंसी बंदूक के नौ कारतूस चुरा लिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी हैं। पीड़ित विनोद कुमार सिंह ने पुलिस को दिए गए तहरीर में कहा है कि मैं दो माह से इलाज के लिए लखनऊ में था। 18 मार्च की सुबह अपने घर आया तो घर का ताला खुला पाया। अंदर गया तो दरवाजा, आलमारी व बॉक्स तोड़कर कर सोने की एक माला, दो अंगूठी, बाली, नथिया, चांदी का पायल, 15 हजार नगद व लाइसेंसी बंदूक के नौ कारतूस गायब थे। इस संबंध मे कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह ने कहा कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

दरवाजे से गाय उठा ले गए पशु तस्कर

संवाददाता-गोरखपुर। चिलुआताल क्षेत्र के मानबेला में मंगलवार की रात पशु तस्कर काजू के घर के बाहर बंधी गाय उठा ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मानबेला निवासी काजू घर के बाहर ही अपनी गाय बांधे थे। मंगलवार की रात में पिकअप से आए पशु तस्कर उनकी गाय खोलकर लाद लिए। खटपट की आवाज होने पर उनकी नींद खुली और वह बाहर आए, लेकिन तब तक तस्कर गाय लेकर चले गए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि छह माह पूर्व पशु तस्कर मानबेला क्षेत्र से दर्जनों गाय उठा ले गए थे। पुलिस की लाख दबिश के बाद भी पशु तस्कर फिर मानबेला क्षेत्र मे सक्रिय हो गए है। इससे पशु पालकों में डर है। सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डेयरी संचालक ने पेट्रोल छिड़कर कर खुद को आग लगाई

संवाददाता-गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के बड़गो रानीबाग न्यू कॉलोनी के रहने वाले डेयरी संचालक वीरेंद्र यादव (45) ने मंगलवार की रात करीब आठ बजे खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली। गंभीर हाल में उसे पुलिस व परिजनों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। घटना की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची रामगढ़ताल थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, बड़गो रानीबाग न्यू कॉलोनी निवासी वीरेंद्र कुमार यादव ने मंगलवार की रात में खुदकुशी का प्रयास किया। वह घर पर डेयरी चलाते हैं, उनकी रुस्तमपुर में दूध-दही की एक दुकान भी है। शाम को दूध बांट कर घर लौटे।

शाम करीब आठ बजे घर के पास खाली प्लॉट में खुद पर पेट्रोल गिराकर आग लगा ली। स्थानीय लोगों ने किसी तरह से आग बुझाकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से वीरेंद्र यादव को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

पुलिस की जांच में पता चला है कि वीरेंद्र यादव के घर पिछले तीन-चार दिन से पारिवारिक कलह चल रही थी। इसमें किसी बात को लेकर वह ज्यादा परेशान थे। मंगलवार को दूध बांटकर लौटे तो उन्होंने घर के पास आत्मदाह का प्रयास किया। वीरेंद्र के पांच बच्चे हैं, तीन बेटियां और दो बेटे हैं। सबसे छोटी बेटी ग्रेजुएशन कर रही है। बताया जा रहा है कि बच्चों को लेकर ही परिवार में किसी बात पर कलह चल रही है।

योगेंद्र सिंह, सीओ कैंट ने कहा कि डेयरी संचालक ने मंगलवार की रात में किसी बात को लेकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। आग बुझाने के बाद उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बयान देने की स्थिति में आने के बाद घटना की वजह पता की जाएगी।

डीडीयू में बनेगा शहर का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम

संवाददाता-गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शहर का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम बनेगा। 1500 सीटों की क्षमता वाले अत्याधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण के लिए शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस पर करीब 39.25 करोड़ रुपये की लागत आएगी। शासन की ओर से उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने ऑडिटोरियम के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। कुलपति के आग्रह पर सीएम ने इसका प्रस्ताव तैयार कर भेजने के लिए कहा था। इसके बाद डीडीयू प्रशासन ने ड्राइंग और एस्टीमेट तैयार कर प्रदेश सरकार को भेजा। उम्मीद है कि एक मई को विश्वविद्यालय के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ इसका शिलान्यास कर सकते हैं।

ऑडिटोरियम का निर्माण दीक्षा भवन के सामने हेलीपैड के बगल में किया जाएगा। इस अत्याधुनिक ऑडिटोरियम में दो आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल और एक विशेष प्रदर्शनी हॉल बनेगा।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 07/2024
न्यायालय- श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान-बांसी जिला-सिद्धार्थनगर

रामेश्वर पाण्डेय
बनाम
नित्यानन्दन आदि

1. नित्यानन्दन पुत्र जनार्दन निहठा तप्पा छतसी परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला-सिद्धार्थनगर 2. धर्मेन्द्र जायसवाल पुत्र पारसनाथ साकिन मरवटिया तप्पा छतसी परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला-सिद्धार्थनगर 3. सुभाष चन्द्र पाण्डेय पुत्र यदुबंश पाण्डेय साकिन सुहईकनपुरवा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला-सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 21-04-2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **21-04-2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 19.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 191/2009
न्यायालय- श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान-बांसी जिला-सिद्धार्थनगर

रामसुभग
बनाम
फारूक अहमद

1. प्रधान/अध्यक्ष भू0प्र0समित गौरा पेचपेडवा तप्पा असनार परगना बांसी तहसील बांसी जिला-सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 25-03-2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **25-03-2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 19.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

पुलिस ने 3 लोगों को किया गिरफ्तार

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली पुलिस ने बुधवार को एक ही परिवार के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोर्ट से जारी नॉन-बेलेबल वारंट (छठॅ) के आधार पर पुलिस ने समोगरा गांव से हृदयराम के दो पुत्र रुदल और रामनरेश तथा पत्नी चांदतारा को गिरफ्तार किया। तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ और क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में की गई। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी के नेतृत्व में उप-निरीक्षक रामप्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल राजबहादुर चौहान, कॉन्स्टेबल संदीप कुमार और महिला कॉन्स्टेबल अंजू वर्मा की टीम ने यह गिरफ्तारी की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अभिभावकों को दिया गया संदेश

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। खुनियांव क्षेत्र के जबजौवा गांव के बउरहवा बाबा मंदिर परिसर में बुधवार को पीपुल्स एक्शन फॉर नेशनल इंटीग्रेशन (पानी) संस्थान की ओर से किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों को संदेश दिया गया कि वे अपनी बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और कौशल विकास में सहयोग करें। संस्थान के परियोजना समन्वयक सतीश चौहान ने बताया कि 46 ग्राम पंचायतों की किशोरियों को एक मंच प्रदान किया गया। किशोरियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ती मनभावती, प्रमिला, कुसुम और सुनीता ने भी किशोरियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कांस्टेबल ओंकार त्रिपाठी, अखिलेश मौर्य, हशरत अली, अख्तर अली आदि मौजूद रहे।

किसान यूनियन ने स्टेशन अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के पदाधिकारियों ने बुधवार को लखनऊ मंडल रेलवे प्रबंधक को संबोधित ज्ञापन प्रदेश सचिव फागू प्रसाद गुप्त की अगुवाई में शोहरतगढ़ रेलवे स्टेशन के अधीक्षक को सौंपा। प्रदेश सचिव ने कहा कि यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह के साथ संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में खरीफ फसल बीमा घोटाले के खिलाफ किसान महापंचायत बिहार के नरकटियागंज गांधी धाम पूर्वी चंपारण में 23 मार्च को आयोजित करेगा। इसमें उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों से बड़ी संख्या में किसान जाएंगे। गांधी धाम पूर्वी चंपारण सुविधा पूर्वक पहुंचने के लिए प्रदेश के ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लखनऊ मंडल रेलवे प्रबंधक से लगवाने की मांग की। जिससे रेल यात्रा करने वालों को कोई असुविधा न हो। इस दौरान जिलाध्यक्ष निराला मौर्य, मधुरश्याम, अमित तिवारी, सोल्हु, रामपाल चौधरी, रामललित, श्यामराजी, संतराम आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0
अदालत- श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय बस्ती जिला-बस्ती

तारा प्रसाद
बनाम
धर्मराज आदि

बनाम- 1. अजय कुमार मिश्र पुत्र आनन्द चन्द्र साकिन बभनी तप्पा बासखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला-बस्ती

तारीख पेशी 24-03-2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 146/2024

श्रीमती शोभावती देवी आदि
बनाम
शारदा देवी आदि

1. शारदा देवी पत्नी स्व0 लालजी 2. राहुल 3. आशीष 4. नितिन पुत्रगण स्व0 लालजी 5. गोल्डी 6. विन्दु 7. गुनजन पुत्रीगण स्व0 लालजी 8. शिवाजी पुत्र भगवान दास 9. शारदा देवी पुत्री भगवानदास 10. कमला देवी पुत्री भगवानदास 11. पियारी देवी मृतक पत्नी भगवानदास साकिनान मौजा गोला बाजार कस्बा खलीलाबाद तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 14-04-2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 04 के 14 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2025 के 03 माह 18 के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0 726/2024

श्रीमती देवबाला आदि
बनाम
नरायनदत्त तिवारी आदि

1. नरायनदत्त तिवारी उम्र लगभग 45 साल 2. सूर्यदत्त तिवारी उम्र लगभग 40 साल पुत्रगण रामकृष्ण त्रिपाठी निवासी मकान नं0-892 मोहल्ला चइयाबारी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला-बस्ती

तारीख पेशी 01-04-2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0 66/2022

शोभा देवी
बनाम
अनूप कुमार आदि

1. अनूप कुमार पुत्र स्व0 दयाशंकर मुहल्ला मालीटोला गुप्ता लाज के बगल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला-बस्ती 2. अनिल कुमार पुत्र स्व0 दयाशंकर साकिन मड़वानगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला-बस्ती 3. मनोज कुमार 4. अजय कुमार पुत्रगण स्व0 दयाशंकर साकिन हवेली खास मड़वानगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला-बस्ती

तारीख पेशी 21-03-2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

-द0 हाकिम

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल- बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2025-533 दिनांकः 19.03.2025

:-ई-निविदा सूचना :-

निम्नलिखित नवीन मत्स्य मण्डी निर्माण के कार्यो हेतु ई-निविदायें दिनाक 05.04.2025 को मण्डी परिषद एवं PWD, R.E.D. U.P.R.N.N., तथा UPPCL विभाग में पंजीकृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ अनुभवी ठेकेदारो से निविदायें आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित ई-निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनाक 05.04.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जाऐगी। टेण्डर डाक्यूमेन्ट www.etender.up.nic.in पर दिनाक 05.04.2025 की अपरान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचन, नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्यालय में तथा सरकार की वेबसाइट www.etender. up.nic.in पर देखी पढ़ी व डाउनलोड की जा सकती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि में वर्षा ऋतु सम्मिलत है	निविदा की वैद्यता दिनों में	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत									
43	शोहरतगढ़	मण्डी समित शोहरतगढ़ के अन्तर्गत मधवापुर में मत्स्य मण्डी हेतु 02 नग 6X16 मी0 छायादार नीलामी चबुतरा कार्यालय भवन का निर्माण सेफटी टैक एवं सोकपिट सहित 16 नगर ''स'' श्रेणी की दुकानों, आन्तरिक मार्ग, के0सी0 ड्रेन, आर0सी0सी0 ड्रेन वाहय नाला, 08 नग कासिंग कल्वर्ट, 03 नग वाटर स्टैड पोस्ट का निर्माण, मिट्टी भराई, इण्टर लाकिंग तथा जलापूर्ति हेतु पाइप लाइन का कार्य आदि। 2025_RKUMP_1009370_2	305.51	17.30	29500.00	15 माह	90	''अ''	अ
44	शोहरतगढ़	मण्डी समित शोहरतगढ़ के अन्तर्गत मधवापुर में मत्स्य मण्डी हेतु चहरदीवारी 01 नग गेट व गेट पिलर, चेक पोस्ट 01 नग छोटा गेट व गेट पिलर का निर्माण कार्य 2025_RKUMP_1009374_2	96.94	6.90	17200.00	09 माह	90	''ब''	अ एवं ब

नोटः-

1- धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग-अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

5- मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांकःमु०अभि०-2/ (1168/भाग-4/2005)/2022-1190 दिनांकः 17.11.2022 द्वारा जारी आदेश / निर्देश के क्रम में 'द' श्रेणी को छोडकर 'अ', 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्तर्घात्मक दरें प्राप्त करने के उदद्देश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्ते के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी०ए० द्वारा प्रमाणित वॉछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

6- उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म भी प्रतिभाग कर सकती है।

7- उपरोक्त तालिका में अंकित अ एवं ब श्रेणी से सम्बन्धित कार्यों हेतु PWD, R.E.D, U.P.R.N.N तथा UPPCL विभाग में सामान्य श्रेणी अर्थात 'अ' एवं 'ब' श्रेणी के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार ही निविदा प्रकिया में प्रतिभाग कर सकते है।

उप निदेशक (निर्माण)

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक-**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक-**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com